







# तीन दिवसीय स्वर्णरिखा महोत्सव का रानीचुआं-नगड़ी में हुआ भव्य आगाज हमारे पर्व-त्यौहार तभी सार्थक होंगे जब नदियां प्रदूषण मुक्त होकर अविरल बहती रहे : सरयू

न्यायाधीश डॉ. एसएन पाठक एवं विद्यायक सरयू राय ने रानीचुआं-नगड़ी में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का किया अनावरण

खबर मन्त्र संवाददाता



## नदियां समाप्त हुई तो मानव सभ्यता भी समाप्त हो जाएगी

कार्यक्रम के विशेष अतिथि सेवानिवृत डीआईजी संजय रंजन सिंह ने कहा कि नदियों मानव सभ्यता की जननी है। नदियों की स्वच्छता का ख्याल हमें हर हालत में रखना ही होगा। नदियों समाप्त हुई तो मानव सभ्यता भी समाप्त हो जाएगी। युवा दिवस के दिन युवाओं को संरक्षण लेना चाहिए कि वे नदियों की रक्षा करेंगे ताकि हमारी सभ्यता की भी रक्षा हो सके।

इससे पहले स्वर्णरिखा महोत्सव के प्रथम दिन यानि 12

जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर युवा दिवस मनाया गया। स्वर्णरिखा महोत्सव के मुख्य अतिथि, झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. एसएन पाठक एवं जमशेदपुर परिचयी के विद्यायक सरयू राय ने सुनुक रूप से रानीचुआं-नगड़ी में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण किया।

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के बाद उनके द्वारा कंबल वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से

स्वर्णरिखा महोत्सव के संयोजक तपेश्वर केशी, जिला परिषद की सदस्या पूनम देवी, उप प्रमुख विद्यार्थी, युवांतर भारती के अध्यक्ष अंशुल शरण, सचिव आशीष शीतल केवर महों, चुदामणि महों, धर्मेन्द्र तिवारी, पीएस रिह, सत्यवान यश नदियों की विद्यायिणी ने बढ़ - चढ़कर भाग ली। इस प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं और विद्यार्थी प्रथम, नवमी व के विद्यार्थी द्वितीय और नवमी स के विद्यार्थी तृतीय स्थान पर रहे। सीधीए कार्यक्रम के तहत स्वामी विवेकानंद पर आधारित पैटेंग प्रतियोगिता का अभी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षिका श्वेता सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। स्कूल में भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वे दूरदर्शी राजनीतिज्ञ एवं कुशल प्रशासक थे मैके पर प्राचार्य किरण यादव ने अपने भाषण में उनकी साफ सुधरे छवि और सादगी के बारे में विस्तार पूर्वक विद्यार्थियों को जानकारी दी।

अधिकतम स्तर पर होता है युवाओं में ऊर्जा : न्यायमूर्ति राजेश कुमार



रांची। रविवार को युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती सह शिशु विद्या मंदिर ध्वनि का वार्षिक उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति राजेश कुमार झारखण्ड उच्च न्यायालय रांची मुख्य अतिथि के रूप में एवं प्रोफेसर डॉ. कॉटर इंद्रनील मान कुलपति बीआईटी मौजूद थे। मंचस्तीन अतिथियों का परिचय एवं स्वागत विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने कराया। अतिथियों का स्वागत पौधा, मूमेंदो एवं अंग वस्त्र प्रदान कर किया गया। न्यायमूर्ति राजेश कुमार झारखण्ड उच्च न्यायालय ने अपने उद्घोषण में कहा कि युवाओं ने ऊर्जा अपने अधिकतम स्तर पर होता है। विशेष अतिथि प्रोफेसर डॉ. कॉटर इंद्रनील मिश्रा ने अपने उद्घोषण में कहा कि भारत नवयुवकों की आवाजी में दुनिया में अग्रणी स्थान रखता है। इस युवा भारत की ऊर्जा का उपयोग कर हम 2047 तक विकसित भारत का दर्जा पा सकते हैं। उन्होंने विवेकानंद जी को याद करते हुए कहा कि विवेकानंद जी ने विश्व के बेदान राजेश के प्रतियोगिता के लिए एवं संजीवीयों का काम करता है। श्री यादव ने रक्तदान के फायदे बताते हुए कहा कि रक्तदान

ज्ञानरूप राजेश कुमार झारखण्ड छात्र परिषद ने मनाया स्वामी विवेकानंद की जयंती



## स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा राजद ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

खबर मन्त्र व्यूह



## जंद किशोर बने श्री राधा कृष्ण मंदिर के अध्यक्ष

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री राधा कृष्ण मंदिर कमटी के पदाधिकारियों का चुनाव रविवार के आपसी सहमति से सम्पन्न हुआ। मुख्य चुनाव प्रभारी अंचल किंगर और सह चुनाव प्रभारी अंचल अनिल मुंजाल की देखरेख में हुए मंदिर कमटी के चुनाव में सभी 21 उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए। सभी नव निवारित सदस्यों की 21 सरत्यावी कमटी को मंदिर परिसर में मुख्य राधेश्वरम किंगर द्वारा समूहिक दालाई गई एवं समाज के गणमान लोगों ने उपरान्त निवारित सदस्यों को माता की चुनी देश के लिए उनका सबसे बड़ा योगदान होगा। हमारे बीच से जो युवा निकलकर कमटी के लिए उन्हीं नहीं होना चाहिए बल्कि पर्यावरण एवं जलस्रोतों का संरक्षण करने में युवाओं को अधिकतम लाभ होता है।

और मानवता की उन्नति को आधार बनाया है। यदि हम अपने संस्कृति को नहीं बचा पाये तो हम अपने देश को भी नहीं बचा पायेंगे। उन्होंने युवाओं से अपनी सभ्यता और संस्कृति बचाने का आवान किया।

जंद किशोर अरोड़ा को मंदिर कमटी का उद्घोषण करने में आगे आया चाहिए। यदि हम अपने देश को नहीं बचा पाये तो हम अपने देश को भी नहीं बचा पायेंगे। उन्होंने युवाओं से अपनी सभ्यता और संस्कृति बचाने का आवान किया।

एवं विजय जूना तथा सह सचिव कमल धूई को बनाया गया। इह कमटी द्वारा दो सदस्यों अंचल किंगर एवं अनिल मुंजाल को मोनीत किया गया। कार्यकरियों में लितिं किंगर, देवराज मनुजा, मनीजा, मुंजाल, पवन पपेन्जा, पंकज मिश्रा, निखिल धूई, गणन अरोरा, पुकेश सिडाना, रोहित तलेजा एवं नरेश खंडी शामिल हैं।

जंद किशोर अरोड़ा को मंदिर कमटी का उद्घोषण करने में आवाजी में दुनिया में अग्रणी स्थान रखता है। इस युवा भारत की ऊर्जा की उर्जा का उपयोग कर हम 2047 तक तक विकसित भारत का दर्जा पा सकते हैं। उन्होंने विवेकानंद जी को याद करते हुए कहा कि विवेकानंद जी ने विश्व के बेदान राजेश के प्रतियोगिता के लिए एवं संजीवीयों का काम करता है। श्री यादव ने रक्तदान के फायदे बताते हुए कहा कि रक्तदान

## रौनियार वैश्य कल्याण समिति ने मनाया वार्षिक उत्सव

खबर मन्त्र संवाददाता



रांची। रौनियार वैश्य कल्याण समिति को काम करने में आदित्य योगी और अन्य विद्यार्थी ने उपरान्त निवारित सदस्यों को माता की चुनी और माल पहाड़कर बधाई दी गई। मंदिर कमटी के संयोजक चंद्रभान तलेजा और आयोजक रामचंद्र तलेजा ने पुरानी कमटी को अपने अच्छे कायाकाल के लिए धन्यवाद और नई कमटी को बधाई दी गई। मंदिर कमटी के सदस्य : सर्वसम्पत्ति से

उपरान्त निवारित सदस्यों को माता की चुनी देश के लिए उनका सबसे बड़ा योगदान होगा। इस युवा भारत की ऊर्जा की उर्जा का उपयोग कर हम 2047 तक तक विकसित भारत का दर्जा पा सकते हैं। उन्होंने विवेकानंद जी को याद करते हुए कहा कि विवेकानंद जी ने विश्व के बेदान राजेश के प्रतियोगिता के लिए एवं संजीवीयों का काम करता है। श्री यादव ने रक्तदान के फायदे बताते हुए कहा कि रक्तदान

एवं विजय जूना तथा सह सचिव कमल धूई को बनाया गया। इह कमटी द्वारा दो सदस्यों अंचल किंगर एवं अनिल मुंजाल को मोनीत किया गया। कार्यकरियों में लितिं किंगर, देवराज मनुजा, मनीजा, मुंजाल, पवन पपेन्जा, पंकज मिश्रा, निखिल धूई, गणन अरोरा, पुकेश सिडाना, रोहित तलेजा एवं नरेश खंडी शामिल हैं।

रांची। विद्यापति स्मारक समिति के द्वारा रविवार को मिथिला पंचांग सह कैलेंडर का विमोचन किया गया। विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सर्व ब्राह्मण अधिकार के प्रेसिडेंट के द्वारा अध्यक्ष प्रमोद कुमार पांडे ने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी ब्राह्मण एक मंच पर आये और अपने अधिकार के लिये लड़ें। कार्यक्रम का शुभारंभ पीड़ित निर्भय कांत ज्ञानस्त्री द्वारा स्वसंवाद मंत्र और स्वावरगत गान से हुआ। अमरेन्द्र मोहन ज्ञानी अध्यक्षता में कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर विद्यापति स्मारक समारोह के द्वारा दो सदस्यों को माता की चुनी देश के लिए उनका सबसे बड़ा योगदान रहा।

रांची। विद्यापति स्मारक समिति के द्वारा रविवार को मिथिला पंचांग सह कैलेंडर का विमोचन किया गया। विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सर्व ब्राह्मण अधिकार के प्रेसिडेंट के द्वारा अध्यक्ष प्रमोद कुमार पांडे ने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी ब्राह्मण एक मंच पर आये और अपने अधिकार के लिये लड़ें। कार्यक्रम का शुभारंभ पीड़ित निर्भय कांत ज्ञानस्त्री द्वारा स्वसंवाद मंत्र और स्वावरगत गान से हुआ। अमरेन्द्र मोहन ज्ञानी अध्यक्षता में कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर विद्यापति स्मारक समारोह के द्वारा दो सदस्यों को माता की चुनी देश के लिए



## चिंता का विषय

**द** क्षिणपंथी रुद्धान के अगुवा डोनाल्ड ट्रॉप की ताजपेशी से पहले की जा रही उग्र बयानवारों से पूरी दुनिया में हलचल है। अब चाहे काढ़ा को अमेरिका से मिलाने का उनका दावा हो या ग्रीनलैंड व पनामा नहर पर प्रभुत्व का बयान। लेकिन ये तो लिये चिंता की बात यह है कि निष्पक्ष वैचारिक स्वतंत्रता के पक्षधर होने का दावा कर रहे अमेरिका संचालित बहुचर्चित संसाल मीडिया प्लेटफॉर्म भी ट्रॉप के निरन्तरण व्यवहार से गहरे तक प्रभावित हो रहे हैं। लंबे समय तक ट्रॉप से वैचारिक टकराव मोल लेने वाले अमेरिका से संचालित मेटा ने ट्रॉप की ताजपेशी से ठीक पहले अपनी नीति में बड़ा बदलाव किया है। मेटा ने अपने उस तथ्य जाच कार्यक्रम से हाथ खींचने का फैसला किया है जो ऑनलाइन गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार को नियन्त्रित करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। निश्चित रूप से सूचना के विचासनेयता के लिये निर्धारित व्यवस्था के खत्म होने से ऑनलाइन झूट व दुष्प्रचार के खिलाफ वैशिक अधिकारों को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि वह निर्णय अमेरिका की राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रॉप की ताजपेशी से ठीक पहले आया है। ट्रॉप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रॉप आपेक्षा लगते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर लक्षणपूर्ण आवाज को संसर किया जाता रहा है। वहीं मेटा के सोईओ मार्क जुकरबर्ग का कहना है कि उनके इस विषय की मुख्य प्रेरणा मुक्त अधिकारों को प्रत्रव देना है। जो सोशल मीडिया पर सूचना सामग्री में किसी भी हस्तक्षेप का विरोध करता है। जिसके चलते फर्जी खबरों के कारण विवादों की श्रृंखला को जम्म मिल सकता है।

## कार्टून वर्ल्ड

आज का  
यात्रिपल

**मेष :** योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ प्राप्ति लिया जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिंगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

**वृष :** व्यवसाय में प्रतिरुद्धीर्ण प्रेरणान कर सकते हैं। समय व्यवकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कूतक पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

**मिथुन :** लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रवल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवधार दूर होकर प्रगति का नास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

**कर्क :** सैर-सप्टेंट में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रसों बना लेंगे अपने वित्त के काम सुवह-सबोर ही निपटा होंगे। पुनर्मित के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

**सिंह :** अपने हैती ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठों में स्थिति कमज़ोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहानी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

**कन्या :** बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य दूर होकर प्रगति का नास्ता मिल जाएगा। नास्ता का अनुरोध दूर होकर किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-5-7

**तुला :** कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपत्ति की खोद अथवा कूटी उडान में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

**वृद्धिक :** नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यवसायों की ताक्त बढ़ेगी। कामकाज में अवधीन दूर होकर प्रगति का नास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इस्लिंग पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

**धनु :** कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति का नास्ता रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ होगी। शुभांक-1-4-6

**मकर :** भावनाओं का उद्गेह बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रसाता भी बन जाएगा। कार्य सफल होगी। शुभांक-2-4-6

**कुंभ :** जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी व्यापारी की व्यापारी काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रसाता भी बन जाएगा। कार्य सफल होगी। शुभांक-5-7-9

**मीन :** मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चात व्यापार होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहायोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

## अभियानि

## जहां स्वामी विवेकानन्द को मिली थी वैरिक पहचान

भारत में रियासतों के विलोनीकरण से पूर्व राजस्थान में खेतड़ी एक सूर्विकसित रियासत थी। चारों तरफ फैले खेतड़ी के यश की चर्चा सुनकर ही विदेशी आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने एक बात खेतड़ी पर भी आक्रमण किया था। मगर उसके उपरान भी खेतड़ी की शान में कोई कमी नहीं आयी थी। खेतड़ी के सभी राजा साहित्य एवं कला पारस्यी व संस्कृत के प्रति अस्थावान रहे थे। वे शिक्षा के विकास व विभिन्न क्षेत्रों के प्रकाशनाम करने की दिलाये। खेतड़ी सदैव से ही महान विभूतियों की कार्यशूली के रूप में जीवन जीती रही है।

खेतड़ी नरेश अजीतसिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले सापक थे। राजा अजीतसिंह ने माझन आवृत्त और खेतड़ी के खिलाफ वैशिक अधिकारों को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि वह निर्णय अमेरिका की राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रॉप की ताजपेशी से ठीक पहले आया है। ट्रॉप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रॉप आपेक्षा लगते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर लक्षणपूर्ण आवाज को संसर करने की दिलाये। खेतड़ी सदैव से ही महान विभूतियों की कार्यशूली के रूप में जीवन जीती रही है।

खेतड़ी में खेतड़ी नरेश अजीतसिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले सापक थे। राजा अजीतसिंह ने माझन आवृत्त और खेतड़ी के खिलाफ वैशिक अधिकारों को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि वह निर्णय अमेरिका की राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रॉप की ताजपेशी से ठीक पहले आया है। ट्रॉप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रॉप आपेक्षा लगते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर लक्षणपूर्ण आवाज को संसर करने की दिलाये। खेतड़ी सदैव से ही महान विभूतियों की कार्यशूली के रूप में जीवन जीती रही है।

खेतड़ी में खेतड़ी नरेश अजीतसिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले सापक थे। राजा अजीतसिंह ने माझन आवृत्त और खेतड़ी के खिलाफ वैशिक अधिकारों को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि वह निर्णय अमेरिका की राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रॉप की ताजपेशी से ठीक पहले आया है। ट्रॉप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रॉप आपेक्षा लगते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर लक्षणपूर्ण आवाज को संसर करने की दिलाये। खेतड़ी सदैव से ही महान विभूतियों की कार्यशूली के रूप में जीवन जीती रही है।

खेतड़ी में खेतड़ी नरेश अजीतसिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले सापक थे। राजा अजीतसिंह ने माझन आवृत्त और खेतड़ी के खिलाफ वैशिक अधिकारों को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि वह निर्णय अम











